# Artist Column

## प्रो. कुमकुम धर

कुमकुम धर कथक की सक्रिय और प्रतिभाशाली नृत्यांगनाओं में है, जिन्होंने शास्त्रीय नृत्य की परम्परा की श्री वृद्धि अपनी रचनात्मकता से की है। इन्होंने कथक की निपुणता और दक्षता 'लखनऊ घराने' के अन्यतम आचार्य स्व. लच्छू महाराज जी के संरक्षण में प्राप्त की। अभिनय अंग की कलात्मकता इनकी निजी विशेषता है।

कुमकुम धर अपने देश के लगभग सभी प्रमुख राज्यों के अलावा विदेशों – लन्दन, टोरेंटो, वाशिंगटन, खाड़ी के देशों, इजिप्ट, इजराइल, बांग्लादेश, पाकिस्तान आदि में अपने अनेक सफल एकल नृत्य प्रदर्शन कर चुकी हैं।

नृत्य, गायन और अभिनय प्रतिभा के दुर्लभ्य सामंजस्य से पूर्ण कुमकुम धर आचार्य लच्छू महाराज जी द्वारा निर्देशित नृत्य नाटिकाओं – चन्द्रावली, गौतम बुद्ध इन्दर – सभा, गीत – गोविन्द इत्यादि में प्रधान भूमिकाओं में रहीं। अनेक समूह नृत्य – संरचनाओं के अतिरिक्त कुमकुम ने स्वयं छः पूर्णकालिक नृत्य नाटिकाओं का निर्देशन किया है जिनके नाम हैं – 'पुष्पवाटिका', 'बुद्ध', 'विद्या', 'कथक कथा', 'नारि जयते' तथा 'पंचकन्या'।

अर्थ शास्त्र की पी.एच.डी., आकाशवाणी एवं दूरदर्शन की प्रथम श्रेणी की कलाकार कुमकुम, नाट्य संस्था 'दर्पण' से नृत्य निर्देशिका व वरिष्ठ अभिनेत्री के रूप में सम्बद्ध हैं। कुछ चर्चित नाटक हैं हयवदन, अबू हसन, युफाएं, यहूदी की लड़की, हरिश्चन्नर की लड़ाई, कनुप्रिया आदि। नृत्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए उ0प्र0 कलाकार एसोसिएशन ने 'कला भारती' उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस समिति ने 'शाने अवध', लाइन्स इंटरनेशनल ने 'नारि रत्न' फनकार सोसाइटी ने ' महाराज बिन्दादीन अवार्ड' तथा उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकदमी ने इन्हें 'अकादमी पुरस्कार' 1994 से सम्मानित किया है। कुमकुम धर उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी लखनऊ, संस्कृति विभाग की विभिन्न उप समितियों में सम्मानित सदस्य होने के साथ राष्ट्रीय फेलोशिप की चुनाव समिति दिल्ली की विशेषज्ञा भी रही हैं। वर्तमान में कुमकुम, भातखण्डे संगीत संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) लखनऊ में प्रोफेसर कथक तथा नृत्य संकाय की संकायाध्यक्ष के रूप में कार्यरत है।

आधुनिक के साथ के परम्परागत स्वरूप का प्रस्तुतिकरण कुमकुम धर की कमनीय विशेषताएं हैं।